MR. DEPUTY-SPEAKER : When you are getting money from the bank, when you come out, you should be protected.

SHRI YOGENDRA MAKWANA: But in the case of this bank, Sir, they have sanctioned the armed guards. The letter was received on the day the dacoity was committed But at the same time, I would like to point out to the Hon. Members that stationing the armed guards is not the fool-proof protection because out of the 5 places where deaths had taken place, in three places there were armed guards. The dacoities or the robberies are committed in the banks. Only in five cases there were deaths of either the employees or the other persons. In five cases it happened and out of the five cases, in three cases there were armed guards provided to the banks and two were without armed guards.

MR. DEPUTY-SPEAKER : By the banks themselves.

SHRI YOGENDRA MAKWANA : Yes, There were armed guards in three places and even then there was killing of persons by the dacoits. In two cases there were no armed guards. So, it is not a fool-proof protection.

He says that no person was arrested. One person was arrested and released. Sir, on information the police arrested him and when they subsequently found that there was no evidence, they released him also. There is nothing wrong.

About the wireless message, I have already said. Even then I will repeat that the information was received at 4.45 p.m. by the police and after 5-6 minutes, that is, at 4.50 p. m. or 4.51 p. m. the police reached there on the spot and at 4.53 p. m. the wireless message was sent to all the police officers and different police stations for looking for the suspects.

---

13 50 hrs

The Lok Sabha then adjourned for Lunch till fifty minutes past Fourteen of the clock.

The Lok Sabha re-assembled after Lunch at fifty three minutes past Fourteen of the Clock

[SHRI SOMNATH CHATTERJEE *in the Chair*]

MATTERS UNDER RULE 377

Mr. CHAIRMAN : Shri Krishan Dutt Sultanpuri.

(I) STEPS FOR PAYING REMUNERATIVE PRICE TO APPLE GROWING FARMERS OF HIMACHAL PRADESH

श्री कृष्ण दत्त सुल्तानपुरी (शिमला) : सभापति महोदय, हिमाचल-प्रदेश के क्षेत्र में जहां सेब का भारी उत्पादन होता है और किसानों ने अपनी कुल धनराशि बंती में बगीचे लगाने पर खर्च की है। इस समय उत्पादन इतना अधिक है कि हिमाचल फल खरीद करने वाले निगम भी पूरे दाम पर सेब खरीद नहीं पा रहे है। 80 पैसे प्रति किलो के हिसाब से निगम ने इस पर्वतीय क्षेत्र के सेब उत्पादकों को देने का निर्णय किया हुआ है। परन्तु अभी भी इतना अधिक सेब है कि उसके दाम सही रूप में किसानों को नहीं मिल रहे है। जो फल उत्पादक दिल्ली में आजादपुर मंडी मंडी में फलों का विक्रय करने हेतु भेजते हैं, उनकी पेटियां बहुत कम दाम में बिक रही

हैं। सरकार की ओर से इस बारे में कोई मार्केट का प्रबन्ध नहीं है जो फल उत्पादकों को उचित मूल्य प्राप्त हो सके। हिमाचल-प्रदेश का किसान बहुत दूरदराज पहाड़ों में रहता है और सड़क पर लाने के लिए अपने उत्पादन पर बहुत अधिक किराया देना पड़ता है। सेब को पैक करने के लिए जो बाक्स, रद्दी और दूसरा मैटीरियल उस में लगता है वह लगभग आठ रुपये से कम नहीं पड़ता है और बाकी सड़क तक किराया, खच्चर घोड़ों का जोकि पांच-पांच, दस-दस किलोमीटर से पैदल चल कर लाना पड़ता है और उसके बाद दिल्ली का किराया। ये सब खर्च मिला कर लगभग बीस रुपये के करीब पड़ जाते है। गरीब किसानों की पेटियां जो दिल्ली में आती हैं उन पर बिचौलिया ज्यादा पैसे कमाता है।

मैं भारत सरकार से प्रार्थना करूंगा कि हिमाचल के किसान के लिए खाली सेब की पेटियां उपलब्ध कराने हेतु प्रबन्ध करे और इसके अलावा मार्किटिंग का इन्तजाम किया जाए ताकि बिचौलियों के शोषण से हिमाचल का किसान बच सके। मुझे दुख से कहना पड़ता है कि हिमाचल में शिमला से ऊपर रेलवे न होने के कारण ट्रकों का बहुत भारी भाड़ा देना पड़ता है और हिमाचल का किसान बहुत बुरी तरह से पिस रहा है।

मैं भारत सरकार से यह भी मांग करूंगा कि आजादपुर सब्जी मंडी में किसानों का जो सेब, सब्जी आदि आता है उस पर खास निगरानी रखे जाने का उचित प्रबन्ध किया जाए ताकि बिचौलिया किसानों की लूट न कर सके। राज्य सरकार को तथा केन्द्रीय सरकार को किसानों को उचित दाम दिलाने हेतु मदद करनी चाहिये तथा जिस तरह से और खाद्य पदार्थों के भाव मुकर्रर हैं, सेब, आलू, टमाटर आदि जो पहाड़ से फल आते है उनके दाम निश्चित रूप से निर्धारित करने के लिए स्पोर्ट प्राइसिस देने का उचित प्रबन्ध किया जाए।

क्योंकि सेब काफी तादाद में किसानों का हिमाचल के गांवों में ही पैदा होता है, इस वास्ते अगर इसकी कीमत उत्पादकों को न मिली तो उनकी आर्थिक स्थिति बिगड़ जाएगी और यह अपने बाल बच्चों का पालन करने में भी असमर्थ हो जाएंगे। खाद और दवाइयां खरीदने में भी काफी धन खर्च हुआ है जिस की पूर्ति करना भी असम्भव हो रहा है।

अतः आशा है कृषि मंत्री तथा भारत सरकार इस सम्बन्ध में उचित ध्यान देकर तुरन्त कार्रवाई करेंगे और किसानों को हानि होने में बचाएंगे तथा ठीक दाम दिलाने का प्रबन्ध करेंगे।

(ii) STEPS FOR POLICE PROTECTION TO CREW OF INDIAN AIRLINES OF CALCUTTA AIRPORT.

SHRI JANARDHANA POOJARY (Mangalore) : Mr. Chairman, Sir, the ground crew of Thai Airways, three men and a women were attacked recently by dagger wielding highway robbers on Kazi Nazrul Avenue VIP Road in Calcutta.

After their ordeal, the victims, had a harrowing time running from one police station to another. Each station passed the buck to the other by telling the nervous crew that the incidence did not take place in their jurisdiction.

Indian Airlines operates more than a dozen early morning flights from the Calcutta Airport. Its flight crew recently demanded adequate protection from the State Police.